नमीं चेतना बारै

क्र.	अंक	म्हीना	विशे सूची	
58.	74	अक्तूबर-दिसम्बर, 1985	डोगरी दे महाकवि स्व. ब्र ानंद	- जगदीश साठे
			रघूनाथ सिंह सम्याल	- ज्ञान सिंह
			कवि हरद ा होंदी कविता च हास्य-व्यंग	- देवरत्न शास्त्री